



यह एक जिज्ञासु बच्चे हेनरी की कहानी है।  
हेनरी हमेशा कुछ-न-कुछ वैज्ञानिक प्रयोग करता रहता है।  
एक दिन उसने साबुन के घोल में कुछ कोलतार मिलाकर  
एक बहुत बड़ा साबुन का फुग्गा बनाया।  
फुग्गा पहाड़ी से लुढ़कता हुआ  
और सारी दुनिया को लपेटता हुआ नीचे आया।  
आगे का हाल पढ़ने के लिए इस रोचक वैज्ञानिक कथा को पढ़ें।

This is the story of Homer  
- a very curious young boy  
who is always doing science experiments.  
Homer mixes all kinds of things  
- shampoo, glue, coaltar to produce  
the biggest soap bubble on earth.  
The big bubble rolls down the hill  
and wraps everything on its way.  
What happens next? To know the answer  
read this exciting scientific tale.

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

मूल्य: 10 रुपए

B - 11

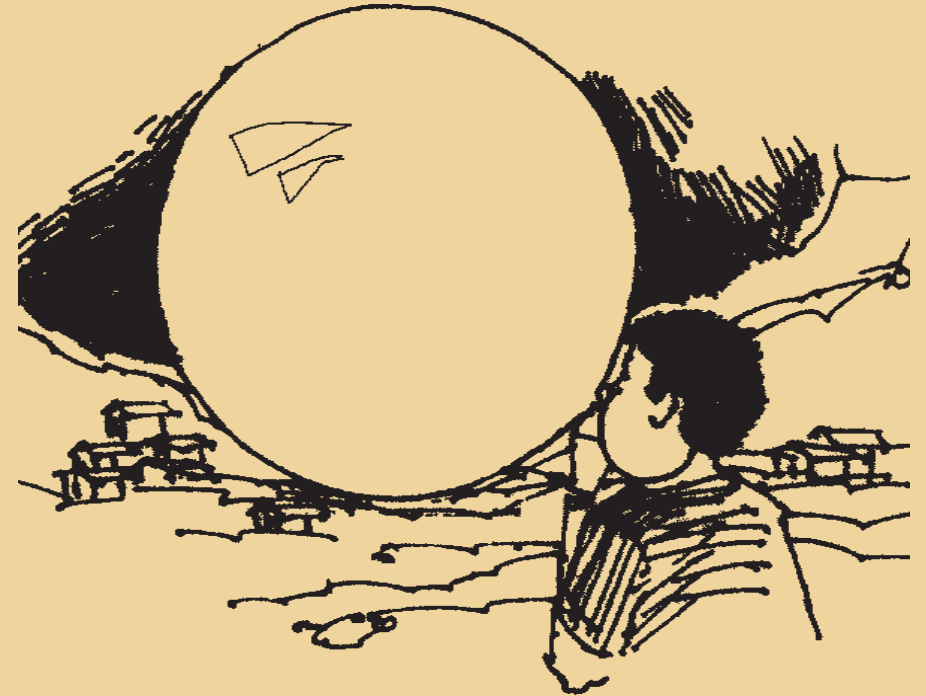
Price: 10 Rupees



# फुग्गे का वह दिन

## The Day of the Bubble

जेम्स ए. स्मिथ  
James A. Smith



फुग्गे का वह दिन : जेम्स ए. स्मिथ  
*The Day Of The Bubble : James A Smith*  
प्रस्तुति: अरविन्द गुप्ता

जनवाचन बाल पुस्तकमाला के तहत  
भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

© सर्वाधिकार सुरक्षित,  
भारत ज्ञान विज्ञान समिति

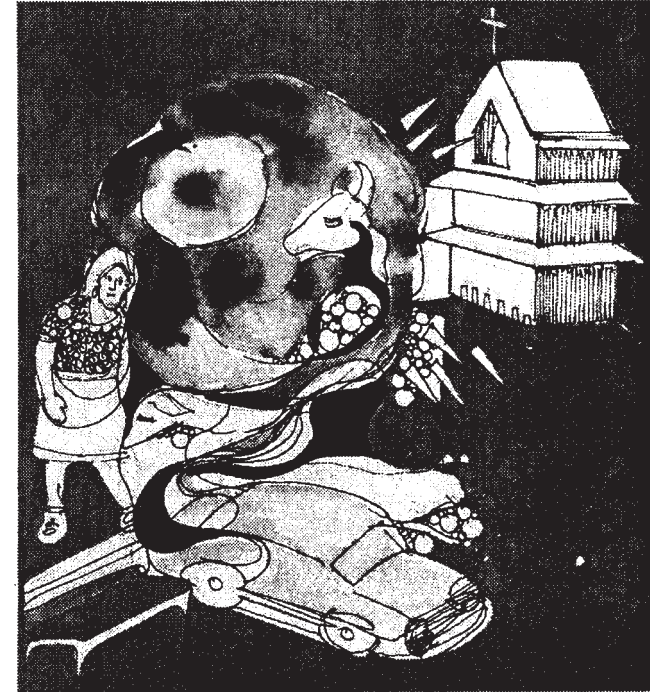
रेखांकन : पंकज  
लेजर ग्राफिक्स: अभय कुमार झा

प्रकाशन वर्ष: 1997, 1998, 2000,  
2002, 2003, 2005, 2006

मूल्य: 10 रुपए  
Price : 10 Rupees

*Bharat Gyan Vigyan Samithi*  
Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block  
Saket, New Delhi - 110017  
Phone : 011 - 26569943  
Fax : 91 - 011 - 26569773  
email: bgvs@vsnl.net

# फुग्गे का वह दिन The Day of the Bubble



जेम्स ए. स्मिथ  
James A. Smith

इस किताब का  
प्रकाशन भारत ज्ञान  
विज्ञान समिति ने देश  
भर में चल रहे  
साक्षरता अभियानों  
में उपयोग के लिए  
किया गया है।  
जनवाचन आंदोलन  
के तहत प्रकाशित  
इन किताबों का  
उद्देश्य गाँव के लोगों  
और बच्चों में  
पढ़ने-लिखने  
की रुचि पैदा  
करना है।

# फुग्गे का वह दिन

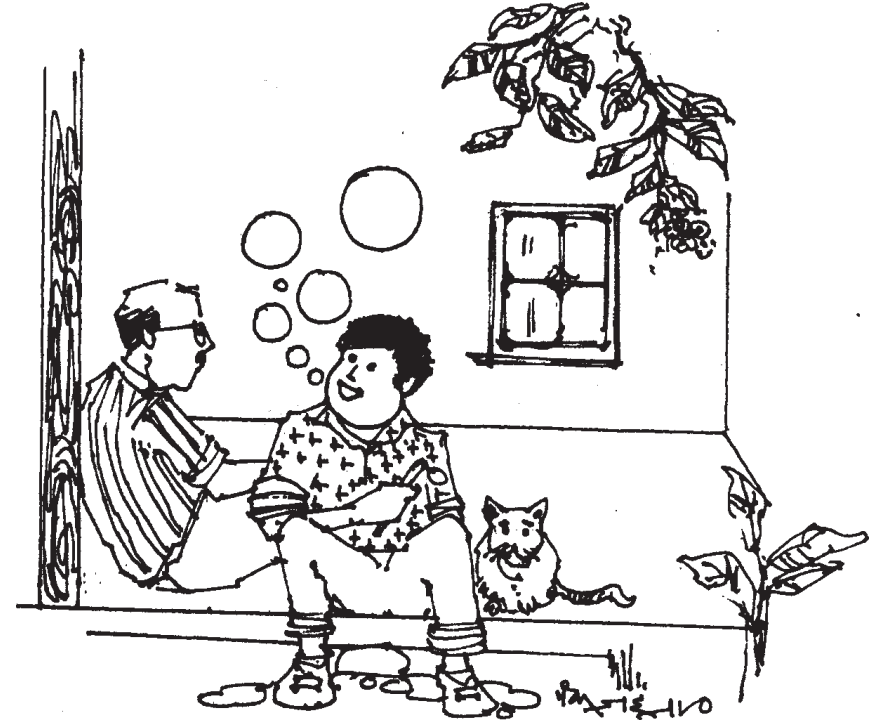
## The Day of the Bubble

होमर नाम का एक लड़का था। वह स्लीपी हौलो नाम के शहर में रहता था। शहर एक पहाड़ी के नीचे बसा था। होमर पहाड़ी के ऊपर अपने चाचा हेनरी के साथ एक पुराने से मकान में रहता था।

पूरे दिन होमर अपने चाचा के छोटे खेत में काम करता और अन्य छोटे-मोटे कामों में हाथ बंटता था। परंतु शाम का खाना खत्म होने के बाद होमर अपने चाचा के साथ बाहर के बरामदे में बैठता और अपने सबसे मनपसंद खेल में रम जाता था।

उसका शौक था फुग्गे-यानि साबुन के गुब्बारे फुलाना। परंतु होमर के फुग्गे कोई साधारण फुग्गे नहीं थे। होमर बड़े फुग्गे फुलाने के लिए बरसों से कोशिश कर रहा था। उसके फुग्गे इतने मजबूत होते थे कि वह जल्दी फूटते भी नहीं थे।

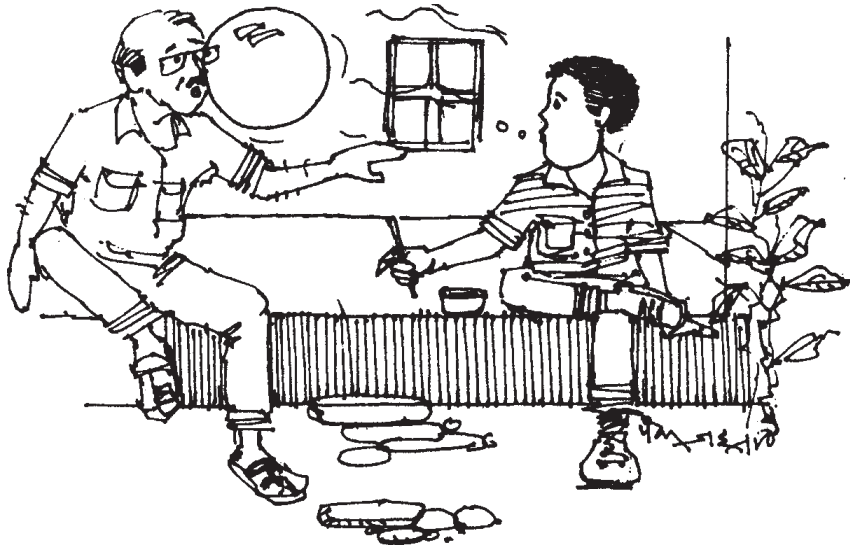
होमर फुग्गे बनाने के लिए एक खास किस्म का 'सल्यूशन' यानि घोल तैयार करता था। बहुत से लोग सिर्फ साबुन का घोल इस्तेमाल करते हैं। परंतु होमर तो एक वैज्ञानिक था। वह अलग-अलग घोलों का परीक्षण करता और अधिक देरी तक टिकने वाले फुग्गे बनाने की जुगाड़ में लगा रहता।



Once there was a boy named Homer. He lived on the top of a hill overlooking the town of Sleepy Hollow. He lived with his Uncle Henry in an old, ramshackled house.

All day long Homer helped his Uncle Henry with the chores on their small farm. But, as soon as supper was over, Homer sat with his Uncle Henry on the front porch and played at his favourite hobby.

His hobby was blowing bubbles. Now Homer's bubbles were not just ordinary bubbles. No, sir! Homer had worked for years on making extra big bubbles. And his bubbles lasted and lasted. The reason that they lasted was that Homer used a special kind of mixture to make them. He didn't use just water and soap like most people did. Homer was a scientist. He experimented with the mixture to try to make bubbles that would last.



उसने अनेक प्रयोग किए। पहले पानी और साबुन के घोल में थोड़ा गोंद मिलाया, पर वह थोड़ा गाढ़ा था। फिर उसे रात में एक विचार आया और उसने गोंद के घोल में से थोड़ा सा मिट्टी का तेल मिला कर उसे पतला किया। वह घोल पहले से बेहतर था। एक रात उसने साबुन का पाउडर मिलाने की कोशिश की। उस रात उसका फुग्गा तीन फीट लंबा बना और पांच मिनट तक टिका रहा। अंत में वह चाचा हेनरी की नाक से टकरा कर फूट गया।

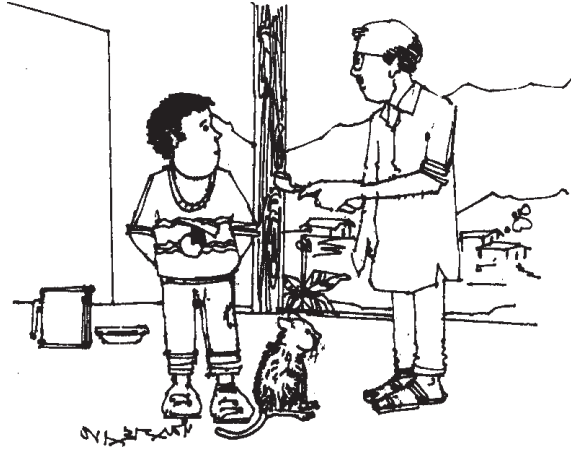
इससे होमर का उत्साह बढ़ा। उसने सोचा कि कुछ शैम्पू मिलाने से शायद कुछ और अच्छे फुग्गे बनें। ऐसा करने से सचमुच में फुग्गे और गोल-मटोल बने। उसके बाद उसने घोल में कुछ रबर-सीमेंट और थोड़ा सा शीरा भी मिलाया। इससे ज़्यादा टिकाऊ और बड़े आकार के फुग्गे बने। न जाने क्यों सभी फुग्गे चाचा हेनरी से जाकर ही टकराते थे। और तब चाचा हेनरी कहते, “होमर एक दिन इन फुग्गे की वज़ह से तुम ज़रूर मुसीबत में पड़ोगे। फुग्गों का इतना बड़ा होना और इतनी देर तक टिके रहना कोई स्वाभाविक बात नहीं है।”

First to the water and soap he added a little glue, but that was too thick. So one night he got the idea that maybe he could thin the glue with kerosene. That was better. Then, another night he tried adding soap powder. That night he made a bubble three feet across that floated five minutes before it hit Uncle Henry on the nose and burst!

Homer was excited. He thought a little shampoo might help. It did. Then he added rubber cement and a little molasses. And the bubbles got bigger and bigger and lasted longer and longer.

Uncle Henry, who was always getting hit by Homer's bubbles would say, "Homer, some day you're going to get into trouble with those big bubbles! It just ain't natural for bubbles to be so big and to last so long!"





परंतु होमर तो एक वैज्ञानिक था। उसे यह सब सुनने की फुर्सत ही कहां थी। वह बस दिन-रात नये-नये प्रयोगों में जुटा रहता। एक रात खाने के बाद होमर और चाचा हेनरी, पहाड़ी के ऊपर अपने घर के बरामदे में बैठे थे।

होमर ने अभी-अभी न जाने क्या-क्या मिला कर फुगुओं का एक नया घोल तैयार किया था। इस बार उसने घोल में थोड़ा सा कोलतार भी मिलाया था। कोलतार उसे सड़क के किनारे पड़ा मिला था।

चाचा हेनरी ने अपना तम्बाकू का पॉइप सुलगाया और होमर की ओर देखते हुए कहा, “होमर, एक दिन तुम फुगुओं की वजह से ज़रूर मुसीबत में पड़ोगे। फुगुओं का इतना बड़ा होना और इतनी देर तक टिके रहना कोई स्वाभाविक बात नहीं है।”

परंतु होमर तो एक वैज्ञानिक था। उसे तो बस प्रयोग करने में मज़ा आता था। इसलिए वह फौरन घर में दौड़ता हुआ गया और फुगु फुलाने वाली अपनी सबसे प्रिय नली ले आया। फिर उसने नली को नये घोल में डुबोया और फुगु फुलाना शुरू किया।

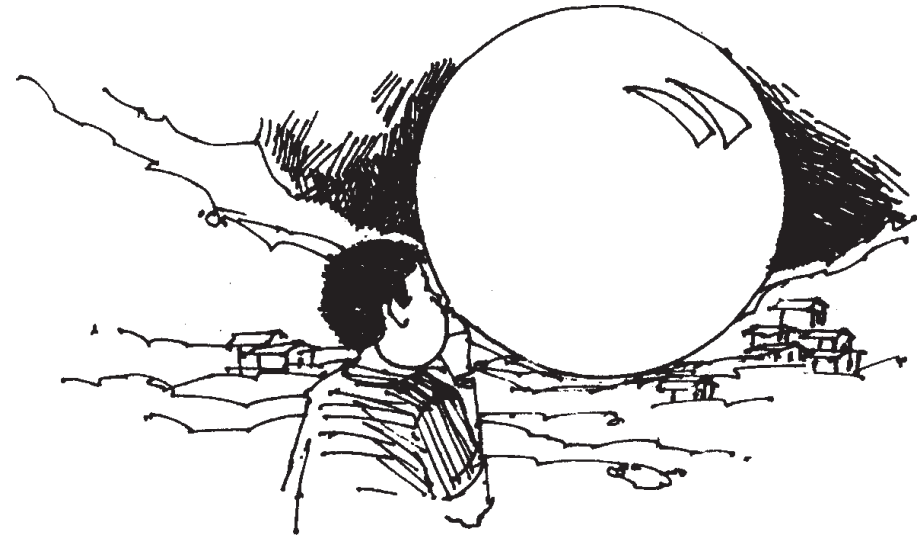
But Homer was a scientist. He couldn't help it. He went on experimenting and experimenting.

One night after supper, Homer and Uncle Henry were sitting on the porch on the house on the hill. Homer had just mixed up a batch of his bubble mix. This time he added just a wee bit of tar which he had found on the newly paved road.

Uncle Henry looked up from lighting his pipe. "Homer," he said, "some day you're going to get into trouble with those big bubbles! It just ain't natural for bubbles to be so big and to last so long!"

But Homer was a scientist. He had to experiment. So he ran into the house and got his old faithful bubble pipe and began to blow.

It was hard to blow at first. But then the bubble began to come, and blowing became easier and easier. Homer took a deep breath and blew and blew and the bubble got bigger and bigger. Soon it was the biggest bubble he had ever blown. And it was getting bigger and bigger! Homer could no longer see the town, or the yard, or even Uncle Henry.





पहले तो उसे फुग्गा फुलाने में बहुत ज़ोर से फूंकना पड़ा। उसके दोनों गाल एकदम लाल हो गए। पर धीरे-धीरे फुग्गा फूलता गया और फुलाने का काम आसान हो गया। होमर ने अब एक लंबी और गहरी सांस ली और ज़ोर से फूंका। फुग्गा बड़ा होता गया, और बड़ा होता गया। थोड़ी देर में वह फूल कर कुप्पा हो गया। होमर द्वारा बनाया गया वह अब तक का सबसे बड़ा फुग्गा था। और फुग्गा था कि बस फूलता ही जा रहा था! होमर को अब पहाड़ी के नीचे बसा शहर भी नहीं दिखाई दे रहा था। न ही उसे बाहर का मैदान दिखाई दे रहा था। यहां तक कि अब चाचा हेनरी भी उसकी आंखों के सामने से ओझल हो गए थे।

उसको कानों में चाचा हेनरी के यह शब्द अवश्य सुनाई पड़ रहे थे, “होमर, तुम बस देखते रहो। एक दिन तुम ज़रूर मुसीबत में फंसोगे। यह स्वाभाविक नहीं है...!”

परंतु अब होमर को कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था। फुग्गा अब इतना बड़ा हो गया था कि वो ज़मीन को छूने लग गया था। होमर उसे ज़मीन पर रगड़ने से बचाने की कोशिश कर रहा था। पर इसके बावजूद होमर उसमें तेज़ी से फूंक रहा था। इस सब का नतीजा यह था कि फुग्गा बड़ा, और बड़ा होता जा रहा था।

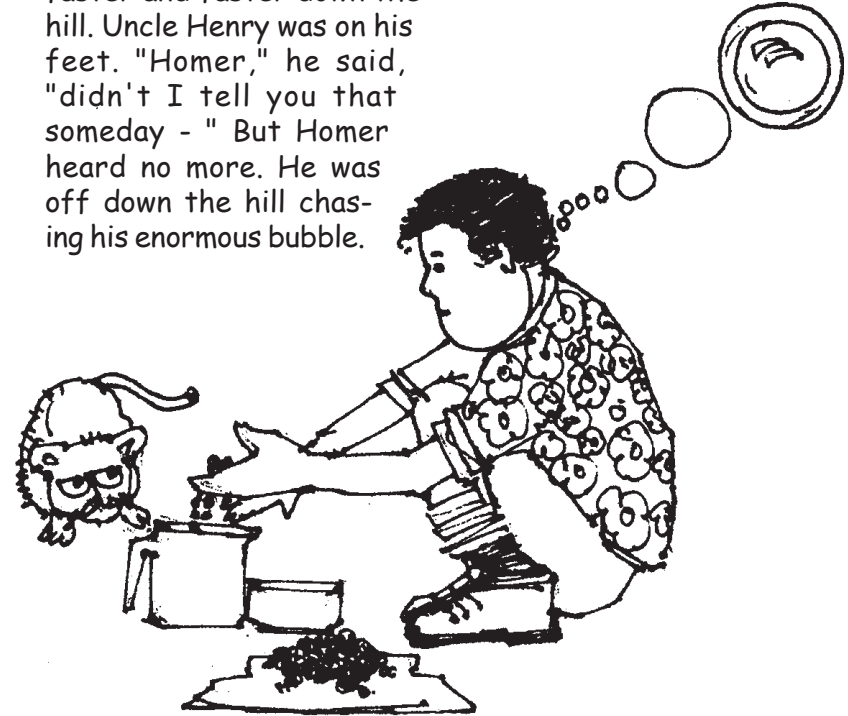
होमर सावधानी से दहलीज़ की किनार पर आ गया था जिससे कि फुग्गे को लटकने के लिए और जगह मिल सके। दस फीट, ग्यारह फीट, बारह फीट—फुग्गा और बढ़ता ही जा रहा था। तेरह फीट, चौदह फीट—और होमर को कान में चाचा हेनरी के शब्द सुनाई दिए “बाप रे!”

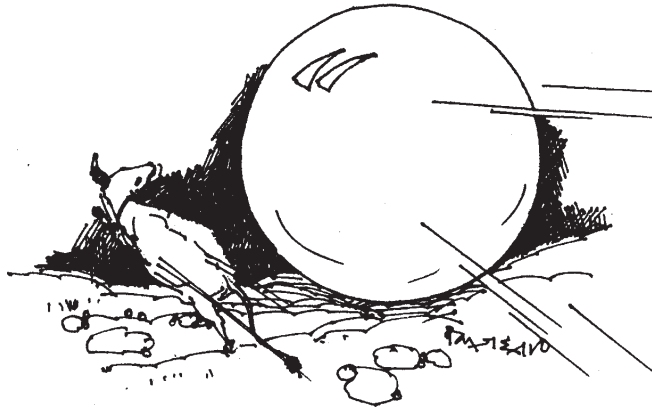
Somewhere in the background he heard Uncle Henry saying, "Now, Homer you watch it there! Some day you're going to get into trouble - it just ain't natural -"

But Homer couldn't hear any more. The bubble was so big he had to keep it from scraping the ground. Slowly he blew and blew! He was all out of breath from blowing! But still the bubble grew and grew!

Homer moved carefully to the edge of the porch so the bubble could hang over. Ten feet, eleven feet, twelve feet - and still the bubble grew. Thirteen feet, fourteen feet - and all Homer could hear was Uncle Henry saying, "Holy Mackerel!"

Just about then there was an enormous POP, and the bubble broke away from the bubble pipe. For a moment it shook and quivered. But it did not break. Instead it began to roll, slowly at first, and then faster and faster down the hill. Uncle Henry was on his feet. "Homer," he said, "didn't I tell you that someday -" But Homer heard no more. He was off down the hill chasing his enormous bubble.





बस तभी एक ज़ोरदार धमाका हुआ और उसके साथ ही फुग्गा, फूंकने वाली नली से अलग हो गया। कुछ देर के लिए तो फुग्गा थोड़ा कांपा और हिला, परंतु फूटा नहीं। फूटने की बजाए वह गोल-गोल पहिए की तरह लुढ़कने लगा। पहले वह थोड़ा धीमे-धीमे लुढ़क रहा था, परंतु पहाड़ी के ढाल के कारण उसकी रफ्तार तेज़ होती गई। अब तक चाचा हेनरी अपने पांवों पर खड़े हो कर कह रहे थे, “होमर, मैंने तुम से पहले ही कहा था कि किसी दिन...।” परंतु होमर को अब कुछ भी सुनाई नहीं पड़ रहा था। वह पहाड़ी के नीचे अपने विशालकाय फुग्गे के पीछे दौड़ा जा रहा था।

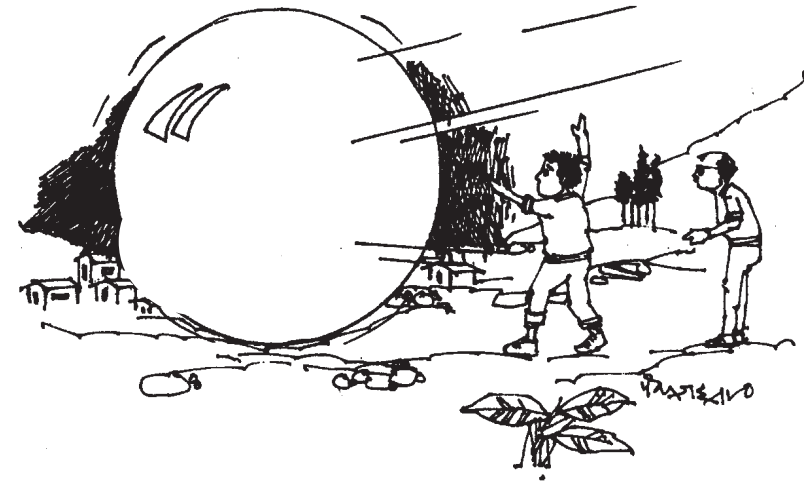
उधर पहाड़ी पर काली गाय घास चर रही थी। जब काली गाय को अपनी ओर फुग्गा आता दिखाई दिया तो उसने घास की जुगाली बंद कर दी और ज़ोर से रम्भाई “मां....!” परंतु तभी फुग्गा उससे जा टकराया। फुग्गा इतना चिपचिपा था कि काली गाय उसमें लिपट गयी। फुग्गा लुढ़कता रहा। छोटा लड़का टॉम, चाचा हेनरी के लिए अंडे लेकर आ रहा था। तभी उसे सामने से फुग्गा आता दिखाई पड़ा। इससे पहले कि टॉम “बचाओ” चिल्लाता, वह भी फुग्गे में लिपट चुका था। फुग्गा पहाड़ी के ढलान पर तेज़ी से लुढ़कता हुआ नीचे स्लीपी हौलो शहर की ओर बढ़ रहा था।

Coming up the hill was old Bessie, the cow. She looked up from the grass she was chewing and bellowed, "Moo," and then the bubble hit! It was so sticky it just picked up Bessie and on it rolled.

Clem Thompson was bringing Uncle Henry some eggs when he looked up and saw the bubble. Before he could even holler "Help," the bubble had picked him up and he was rolling back down the hill towards Sleepy Hollow.

Prissy, the cat was following old Clem. In a second's time she was in the bubble rolling on toward the town. After it ran Homer, and after him came Uncle Henry crying, "Homer, I told you - "

Before long the bubble came to the highway. Mr. Arnold, the grocer, was driving his horse towards Sleepy Hollow at a slow, easy pace. He was almost asleep. Daisy, his horse, knew how to get home without his help. Before he knew what had happened to him, the bubble hit, and the horse, carriage, and groceries and Mr. Arnold went rolling down toward Main Street.



टाम के पीछे-पीछे उसकी भूरी बिल्ली भी थी। भूरी बिल्ली भी एक सेकेंड में फुगगे में लिपट गई और शहर की ओर लुढ़कने लगी। फुगगे के पीछे-पीछे दौड़ रहा था होमर, और उसके पीछे चिल्लाते हुए दौड़ रहे थे चाचा हेनरी, “होमर, मैंने तुम से पहले ही कहा था कि एक दिन ...।”

कुछ ही देर में फुगगा हाईवे यानि मुख्य सड़क पर आ गया। सड़क पर मिस्टर जिम शहर में सब्जी बेच कर घोड़ा-गाड़ी पर खरामा-खरामा घर जा रहे थे। दिन भर की थकावट से उन्हें नींद आ रही थी। उनके घोड़े को घर का रास्ता एकदम रटा हुआ था। इससे पहले कि उन्हें कुछ हवा लगती मिस्टर जिम, उनका घोड़ा और गाड़ी सभी फुगगे की लपेट में आ गए और सारा का सारा कारवां शहर की मेन-स्ट्रीट की ओर लुढ़कने लगा।

थोड़ी सी देर में घोड़ा हिनहिनाने लगा, बिल्ली, “म्याऊं, म्याऊं” करने लगी और गाय रम्भाने लगी। छोटा टॉम चीखने लगा और मिस्टर जिम, “बचाओ! बचाओ!” चिल्लाने लगे।

यह आवाज़ें कहां से आ रही हैं इसे देखने के लिए शहर के सभी लोग मेन स्ट्रीट पर इकट्ठे हो गए। उस नज़ारे को देख कर वह हैरत में आ गये। सड़क पर एक विशालकाय फुगगा तेज़ी से लुढ़क रहा था और उसमें हाथ-पांव समेत तमाम जानवर भी चिपके हुए थे। इससे पहले कि लोग दौड़ कर किसी सुरक्षित स्थान पर जाते, फुगगा उनसे जा टकराया।

सबसे पहले तो डाक्टर साहब के दवाखाने के सामने खड़ी मोटरकार फुगगे की लपेट में आई। इसके बाद में मिस जॉस, जो पार्क की बेंच पर बैठ कर बुनाई कर रही थीं। कुछ लड़कियां जो सड़क के एक कोने में इक्कड़-दुक्कड़ खेल रही थीं न जाने अचानक कहां गायब हो गयीं।

By now the horse was neighing, the cat was meowing, the cow was mooing. Clem Thompson was screaming, and Mr. Arnold was hollering, "Help!"

Everyone on Main Street turned to see what was making such a racket. They stopped in amazement to see an enormous bubble start down the street with arms, legs and animals sticking out of it. Before they could run for shelter, the bubble hit!

First, it picked up an automobile that was parked outside Dr. Parson's office. Then it gathered up old Miss Annie Jones who was sitting on a park bench knitting. A group of girls who were playing hopscotch disappeared right off the sidewalk.

Two dogs who were chasing each other were scooped up in no time at all. Everybody and everything that was on Main Street that wasn't fastened down was rolled up into that enormous, sticky bubble.

By now Homer and Uncle Henry were entering Main Street. They stood horrified as they watched the bubble roll through the town, picking up everything in its path.

"Uncle Henry, Uncle Henry," cried Homer, "How will I stop it - what will I do?"

And all Uncle Henry was able to say was, "Homer, I told you someday - "

At the end of Main Street stood the church. It was a pretty little church, and the people in Sleepy Hollow were very proud of it because it had a tall, pointed steeple. Now, as the bubble rolled on down Main Street, full of people and animals and things, it was headed directly for the little old church.



दो कुत्ते, जो आपस में रेस लगा रहे थे भी देखते ही देखते फुग्गे में लिपट गए। मेन स्ट्रीट की हर चीज़ जो ज़मीन में धंसी नहीं थी, जल्द ही उस चिपचिपे फुग्गे में लिपट गई।

अब तक होमर और चाचा हेनरी भी मेन स्ट्रीट पर पहुंच चुके थे। फुग्गे की राह में आती हरेक वस्तु के लिपटने को वह दहशत भरी नज़रों से देख रहे थे।

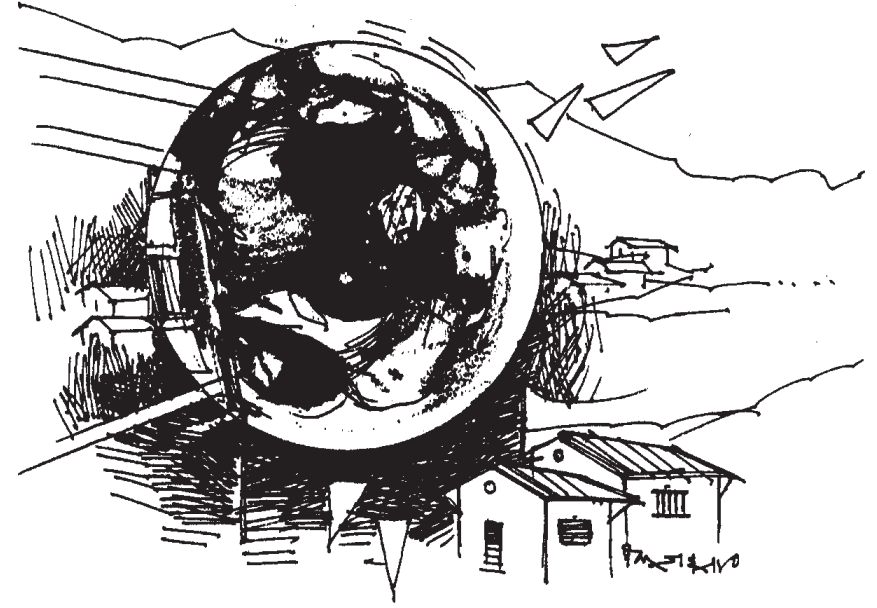
“चाचा हेनरी! चाचा हेनरी,” होमर चिल्लाया, “मैं क्या करूं? इस फुग्गे को कैसे रोकूं?”

और चाचा हेनरी ने वही वाक्य दोहराया जो वह पहले भी कई बार कह चुके थे, “होमर, मैंने तुम से पहले ही कहा था कि एक दिन...”।”

मेन-स्ट्रीट जहां खत्म होती थी, वहीं पर चर्च था। शहर के सभी लोगों को चर्च पर बहुत गर्व था, क्योंकि उसकी छत पर एक लंबा और नुकीला भाला लगा था। अब फुग्गा—जिसमें दुनिया भर के लोग, जानवर और चीज़ें लिपटी थीं, लुढ़कता हुआ सीधे चर्च की ओर बढ़ रहा था।

होमर ने रोते हुए कहा, “अब तो यह सब लोग मर जायेंगे और पाप मुझे लगेगा। सारा दोष तो मेरा ही है।”

फुग्गे की रफ्तार अब तक इतनी तेज़ हो गई थी कि वह लगभग कूदता हुआ आगे बढ़ रहा था। फुग्गे में से अत्यन्त भयानक आवाज़ें निकल रही थीं। हरेक कोई चीख-चिल्ला रहा था, जानवर चिंघाड़ रहे थे। चर्च के पास आने से पहले फुग्गा एक बार उछला और चर्च की छत के नुकीले भाले से जा टकराया। एक मिनट तक फुग्गा वैसे ही खड़ा रहा। फिर उसमें से होमर द्वारा भरी हुई सारी हवा फुस्स करके निकल गयी। फुग्गा फूट गया। फुग्गे के मलबे में से क्या-क्या नहीं निकला— लोग, मोटरकार, जानवर, घोड़ा-गाड़ी, बेंच, अंडे, ऊन और न जाने क्या-क्या? सभी चीज़ें गोंद जैसी चिपचिपी लेई में लथपथ थीं।



"Oh, dear," cried Homer, "everyone will be killed and it's all my fault."

By now the bubble was going so fast that it was bouncing. And what a noise! Everyone was screaming and crying and the animals were all bellowing. Just before the bubble hit it church it gave one big bounce - and landed smack up against the steeple! For a minute it stood still, and then with a great sigh and a sissing noise which was all of Homer's breath escaping, the bubble died!

Such a mess! It spilled people, cars, animals, carts, benches and groceries all over the end of Main Street - all sitting there in a gooey, sticky mess.



होमर के फुगों के मलबे को साफ करने में सारे शहर को चार हफ्ते लगे। ऐसी घटना पहले कभी नहीं घटी थी। एक साल बाद भी लोग अपने बालों या कानों में से होमर के वैज्ञानिक प्रयोग को रगड़-रगड़ के धो रहे थे। फुगों का वह दिन स्लीपी हौलो के नागरिक कभी न भूले।

लोगों ने होमर को उसके सारे वैज्ञानिक उपकरणों के साथ कालेज भेज दिया, ताकि वह पूरे शहर को नष्ट करे बिना अपने वैज्ञानिक प्रयोग और शोध चालू रख सके।

चाचा हेनरी को होमर की बहुत याद आती। हर रात खाने के बाद वह बरामदे में बैठ कर अपना तम्बाकू का पाइप सुलगाते और कहते, “होमर, मुझे मालूम था कि उन वैज्ञानिक प्रयोगों की बदौलत तुम एक दिन जरूर कुछ कमाल कर दिखाओगे।”



It took four weeks to clean up the town after Homer's bubble broke. There had never been anything like it! For a year after, people were cleaning Homer's scientific experiment out of their clothes and hair. No one in Sleepy Hollow ever forgot the day of the bubble.

As for Homer, they took up a collection and sent him off to college where he could continue his scientific experiments without damaging the whole town.

Uncle Henry missed Homer. Every night after supper he would sit on the porch, and light his pipe. "That Homer," he would say, "I knew some day he'd make good with all those scientific experiments!"

